कोरोना वायरस

असि० प्रो० डॉ० संदीप कुमार
इतिहास विभाग
बी० एम० कॉलेज, रक्सिा, मधुबनी
मो०- 8051796740
दिनांक - 24-03-2020

COVID-19
↓
CO + VI + D — 19
↓ ↓ ↓ ↓
CORONA VIRUS DISEASE 2019

→ उपरोक्त शब्द विच्छेदन से स्पष्ट है कि COVID-19 एक वायरस जनित बिमारी है जो 2019 में कोरोना नामक वायरस से उत्पन्न हुआ और अब यह एक वैश्विक महामारी का रूप ले चूका है।

→ COVID-19 बिमारी चीन के वुहान शहर से प्रारम्भ हुई है तथा यह अब तक विश्व के 185 देशों में फैल चूका है। इस बिमारी के चपेट में अब तक 3,00,000 से अधिक नागरिक आ चूके हैं जिनमें से 15,000 से अधिक की मौत हो चुकी है तथा 90,000 से अधिक ठीक किया जा चूके है।

→ COVID-19 बिमारी का कोरोना वायरस प्रकृतिजनित है या मानवजनित। इस पर से अभी अभी तक पर्दा नहीं उठ पाया है।

→ चिकित्सकीय जाँच के फलस्वरूप प्राप्त आँकड़ो के अनुसार यह स्पष्ट हो पाया है कि यह वायरस 1 (एक) मनुष्य से औसतन 3 (तीन) मनुष्यों में फैल सकता है।

→ चिकित्सकीय जाँच एवं ईलाज से इतर इस वायरस से बचने का सामान्य उपाय है
(1) अपने आपको एकांत में रखें।
(2) घर से बाहर अनावश्यक न निकलें।
(3) मनुष्यों के बीच 1-2 मीटर की दूरी बनायें रखें।
(4) अपने मूँह, नाक, आँख को कतई न छूये।
(5) मास्क का उपयोग करें।
(6) समय-समय पर तथा खाने से पहले हाथ को साबुन से अच्छी तरह (20 सेकेंड तक) से धोयें।
(7) ऐसे भोज्य पदार्थों का सेवन करें जो आपको सामान्य सर्दी-जुकाम होने से बचायेरखें।
(8) थोड़े समय के अन्तराल पर गर्म पानी पियें तथा विटामीन सी (निंबू, संतरा) लें।

→ इस बिमारी की अभी तक कोई आधिकारिक दवा तैयार नहीं हो सकी है लेकिन फिर भी कुछ दवायें है जो इस बिमारी के शुरूआती लक्षणों में या इसके पूर्व ही सचेतक के तौर पर सहायक हो सकते हो (सभी सोशल साइट्स के आधार पर)

P.T.O

① ऐलोपैथ - क्लोरोक्वीन, इस्पैटीन

② होम्योपैथ - Arsenic Album - 30CH

③ आयुर्वेद - तुलसी अर्क, गिलोय इत्यादि

④ योग - प्राणायाम, कपालभाति, अनुलोम-विलोम इत्यादि

→ भारत सरकार ने माय्लैब (MyLab) नामक ~~देसी~~ स्वदेशी कम्पनी को COVID-19 की जाँच के लिये की किट तैयार करने की अनुमति प्रदान की है। कम्पनी का दावा है कि उसने मात्र दो हफ्ते में एक मानक किट तैयार की है। तथा एक ~~हफ्ते के~~ सप्ताह के भीतर वह 1 लाख ऐसे किट तैयार कर देगा। तथा प्रत्येक किट से 100 व्यक्तियों की जाँच की जा सकती है।

→ इस वायरस से प्रभावित देशों चीन, इटली, ईरान, अमेरीका, स्पेन, फ्रांस, जर्मनी, दक्षिण कोरिया आदि की ~~देख~~ स्थिति को देखने के बाद पता चलता है कि इनमें से अधिकांश देश विकसित है तथा उनके पास इस वायरस पर शोध के लिये पर्याप्त आर्थिक एवं तकनीकि संसाधन मौजूद है। इसके बावजूद इन सभी देशों की चिकित्सा क्षेत्र एवं सरकार ने इस वायरस के समक्ष अपने घुटने टेक दिये हैं या फिर अपने समक्ष आर्थिक संसाधनों को झोंक दिया है।

ऐसे में अपने देश भारत की बात की जाए तो न तो हमारे पास पर्याप्त आर्थिक संसाधन है और न ही चिकित्सकीय एवं तकनीकी संसाधन ही। ऐसे में हमारे पास इस वायरस से लड़ने का एक मात्र एवं हथियार है जागरूकता (Awareness)। हमें आवश्यकता है जागरूक रहने की और जागरूकता फैलाने की।

वायरस जनित

चूँकि इस बिमारी में जो सबसे बड़ा प्रतिबंध है वह है सामाजिक मेल-जोल पर। यह बिमारी हमें सामाजिक मेल-जोल की इजाजत नहीं देता है। यह बिमारी हमसे सामाजिक (भौतिक रूप से) दूरी बनाये रखने का आह्वान करता है। ऐसे में सोशल साइट्स एक सशक्त माध्यम बनकर उभरा है जहाँ whatsapp, Facebook, twiter, Instagram आदि अनेक प्लेटफार्म है जिसके माध्यम से व्यक्ति खुद भी जानकारी ~~साझा~~ जा प्राप्त कर सकता है और दूसरे व्यक्ति, समाज को भी जानकारी साझा कर जागरूक कर सकता है।